1857 का विद्रोह

तात्कालिक कारण, शुरुआत एवं प्रमुख केंद्र

1 तात्कालिक कारण – एनफील्ड कारतूस

- नई **एनफ़ील्ड राइफ़ल** के कारतूस को दाँत से काटकर खोलना पड़ता था।
- सैनिकों में यह धारण फैली कि कारतूसों पर **गाय एवं सूअर की चर्बी** लगी है।
- इससे **हिंदू एवं मुस्लिम सैनिकों** की धार्मिक भावनाएँ आहत होने की आशंका उत्पन्न हुई।
- **कारतूस विवाद** विद्रोह का **तात्कालिक कारण** बना।

2 प्रारंभिक घटनाक्रम

तिथि	घटना
29 मार्च 1857	बैरकपुर में **मंगल पांडे** की घटना
10 मई 1857	मेरठ में सैनिक विद्रोह
11 मई 1857	विद्रोही **दिल्ली** पहुँचे
1857	दिल्ली विद्रोह का प्रमुख राजनीतिक केंद्र बनी
1857–58	**कानपुर, अवध, झाँसी, बिहार एवं मध्य भारत** में संघर्ष
1858	अंग्रेजों ने प्रमुख विद्रोही केंद्रों पर पुनः नियंत्रण स्थापित किया।

3 प्रमुख केंद्र एवं नेता

केंद्र	प्रमुख नेता
दिल्ली	**बहादुर शाह ज़फ़र**
कानपुर	नाना साहब, **तात्या टोपे**
लखनऊ / अवध	**बेगम हजरत महल**
झाँसी	**रानी लक्ष्मीबाई**
जगदीशपुर, बिहार	बाबू कुंवर सिंह
बरेली	खान बहादुर खान
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्लाह शाह

बहादुर शाह ज़फ़र (दिल्ली)

रानी लक्ष्मीबाई (झाँसी)

नाना साहब (कानपुर)

बेगम हजरत महल (अवध)

बाबू कुंवर सिंह (बिहार)

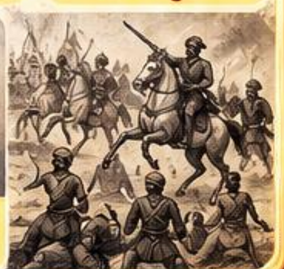

महत्वपूर्ण युग्म

दिल्ली	कानपुर	झाँसी	अवध	बिहार
↓	↓	↓	↓	↓
बहादुर शाह ज़फ़र	नाना साहब	रानी लक्ष्मीबाई	बेगम हजरत महल	कुंवर सिंह

तात्कालिक कारण, शुरुआत एवं प्रमुख केंद्र

1 तात्कालिक कारण – एनफील्ड कारतूस

- नई **एनफील्ड राइफल** के कारतूस को दाँत से काटकर खोलना पड़ता था।
- सैनिकों में यह धारणा फैली कि कारतूसों पर **गाय एवं सूअर की चर्बी** लगी है।
- इससे **हिंदू एवं मुस्लिम सैनिकों** की धार्मिक भावनाएँ आहत होने की आशंका उत्पन्न हुई।
- **कारतूस विवाद** विद्रोह का **तात्कालिक कारण** बना।

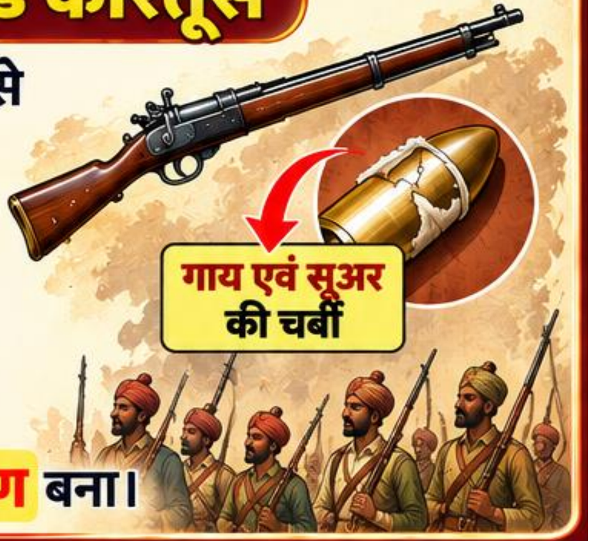

2 प्रारंभिक घटनाक्रम

तिथि	घटना
29 मार्च 1857	बैरकपुर में **मंगल पांडे** की घटना
10 मई 1857	मेरठ में सैनिक विद्रोह
11 मई 1857	विद्रोही **दिल्ली** पहुँचे
1857	दिल्ली विद्रोह का प्रमुख राजनीतिक केंद्र बनी
1857–58	**कानपुर, अवध, झाँसी, बिहार एवं मध्य भारत** में संघर्ष
1858	अंग्रेजों ने प्रमुख विद्रोही केंद्रों पर पुनः नियंत्रण स्थापित किया।

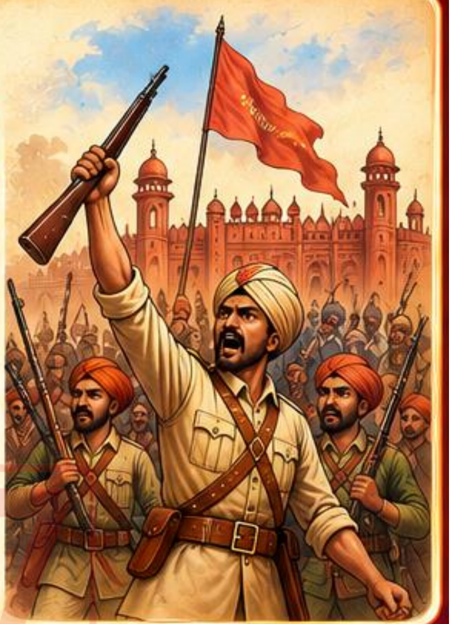

Adda247

3 प्रमुख केंद्र एवं नेता

केंद्र	प्रमुख नेता
दिल्ली	बहादुर शाह ज़फर
कानपुर	नाना साहब, तात्या टोपे
लखनऊ/ अवध	बेगम हजरत महल
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई
जगदीशपुर, बिहार	बाबू कुंवर सिंह
बरेली	खान बहादुर खान
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्लाह शाह

महत्वपूर्ण युग्म

- दिल्ली → बहादुर शाह ज़फर
- कानपुर → नाना साहब
- झाँसी → रानी लक्ष्मीबाई
- अवध → बेगम हजरत महल
- बिहार → कुंवर सिंह

बिहार में 1857 का विद्रोह

1 प्रमुख क्षेत्र

- **शाहाबाद** बिहार में विद्रोह का प्रमुख क्षेत्र था।
- **जगदीशपुर** बाबू कुंवर सिंह के नेतृत्व में प्रमुख केंद्र बना।
- **आरा** भी विद्रोह की महत्वपूर्ण घटनाओं का केंद्र था।

2 बाबू कुंवर सिंह

- **जगदीशपुर** के प्रमुख जमींदार एवं 1857 के बिहार के सबसे प्रमुख विद्रोही नेताओं में से एक।
- विद्रोह के समय उनकी आयु लगभग **80 वर्ष** थी।
- उनके भाई **अमर सिंह** ने भी विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- कुंवर सिंह ने बिहार के साथ-साथ **आजमगढ़** क्षेत्र में भी अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया।
- **23 अप्रैल 1858** को जगदीशपुर में अंग्रेजी सेना पर महत्वपूर्ण विजय प्राप्त की।
- **26 अप्रैल 1858** को उनका निधन हुआ।

3 बिहार के अन्य प्रमुख व्यक्तित्व

व्यक्तित्व	संबंध
कुंवर सिंह	जगदीशपुर, शाहाबाद
अमर सिंह	कुंवर सिंह के भाई
पीर अली खान	पटना
नारायण सिंह	बिहार में 1857 की गतिविधियों से संबंधित

बिहार विशेष – महत्वपूर्ण युग्म

कुंवर सिंह	अमर सिंह	पीर अली खान	शाहाबाद	आरा
↓	↓	↓	↓	↓
जगदीशपुर	कुंवर सिंह के भाई	पटना	1857 का प्रमुख बिहार क्षेत्र	प्रमुख विद्रोही केंद्र

Adda247

असफलता, परिणाम एवं इतिहासलेखन

1 असफलता के कारण

- विद्रोह का पूरे भारत में **समान विस्तार नहीं** हुआ।
- **एकीकृत केंद्रीय नेतृत्व** का अभाव।
- विभिन्न नेताओं के अलग-अलग क्षेत्रीय उद्देश्य।
- हथियारों एवं संसाधनों की कमी।
- कई भारतीय शासकों एवं समूहों ने अंग्रेजों का साथ दिया।
- अंग्रेजों के पास बेहतर सैन्य संगठन एवं संचार व्यवस्था थी।

2 प्रमुख परिणाम

कंपनी शासन का अंत

- **Government of India Act, 1858** द्वारा ईस्ट इंडिया कंप्नी व शासन समाप्त हुआ।
- भारत का शासन सीधे **ब्रिटिश क्राउन** के अधीन चला गया।
- गवर्नर-जनरल को **वायसराय** की भूमिका भी मिली।
- **भारत सचिव** के पद की स्थापना हुई।

रानी विक्टोरिया की घोषणा, 1858

- **धार्मिक मामलों** में अनावश्यक हस्तक्षेप न करने का आश्वासन।
- **भारतीय रियासतों** के प्रति ब्रिटिश नीति में परिवर्तन।
- भारतीय प्रजा के प्रति **कानून के समक्ष समानता** का आश्वासन।

रानी विक्टोरिया (1858)

3 सेना में परिवर्तन

- भारतीय एवं यूरोपीय सैनिकों के **अनुपात में परिवर्तन** किया गया।
- महत्वपूर्ण सैन्य शाखाओं, विशेषकर **तोपखाने**, पर ब्रिटिश नियंत्रण मजबूत किया गया।
- भर्ती एवं सैन्य संगठन में ऐसी नीतियों अपनाई गई जिनसे भविष्य में **एकजुट विद्रोह की संभावना कम** हो।

Adda247

4 इतिहासलेखन

- **वी. डी. सावरकर** → **The Indian War of Independence, 1857**
- ब्रिटिश औपनिवेशिक लेखन में इसे प्रायः **Sepoy Mutiny** कहा गया।
- आधुनिक इतिहासलेखन में सैनिकों के साथ **किसानों, जमींदारों, शासकों एवं अन्य सामाजिक समूहों** की भागीदारी को भी क्षेत्रीय संदर्भ में देखा जाता है।

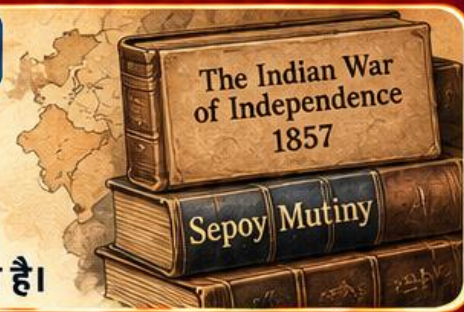

5 अत्यंत महत्वपूर्ण तथ्य

प्रारंभ	→	मेरठ	झाँसी	→	रानी लक्ष्मीबाई
तिथि	→	10 मई 1857	अवध	→	बेगम हजरत महल
बैरकपुर	→	मंगल पांडे	बिहार	→	कुंवर सिंह
दिल्ली	→	बहादुर शाह ज़फ़र	जगदीशपुर	→	कुंवर सिंह
कानपुर	→	नाना साहब	कंपनी शासन का अंत		अधिनियम, 1858

बिहार शिक्षक
LIVE
Adda247
Bihar Shikshak Bharti
YOUTUBE CHANNEL
LIKE
SHARE
SUBSCRIBE
SUBSCRIBE NOW

REVOLT OF 1857: BACKGROUND AND CAUSES

1 INTRODUCTION

- The Revolt of 1857 was the **first major widespread armed uprising** against the rule of the East India Company.
- The revolt began at Meerut on **10 May 1857.**
- On **11 May 1857,** the rebels reached Delhi and accepted **Bahadur Shah Zafar II** as their symbolic leader.
- Major affected regions: **Delhi, Awadh, Kanpur, Jhansi, Bihar, Bundelkhand and Central India.**
- It has been described by different historians as the **Sepoy Mutiny, Revolt of 1857,** and **First War of Independence.**

MAIN DATES

10 MAY 1857
Revolt began at Meerut

11 MAY 1857
Rebels reached Delhi

Bahadur Shah Zafar II
(Symbolic Leader)

MAIN AFFECTED REGIONS

2 POLITICAL CAUSES

- **Lord Dalhousie's Doctrine of Lapse** created resentment among Indian rulers.
- **Satara, Jhansi and Nagpur** were annexed.
- **Awadh** was annexed in **1856,** with the Company citing maladministration.
- The political prestige of the Mughal emperor declined.
- Indian rulers, zamindars and traditional elites feared loss of authority.

Lord Dalhousie
(Doctrine of Lapse)

- Satara
- Jhansi
- Nagpur
- Awadh (1856)

3 ECONOMIC CAUSES

- Heavy **land-revenue pressure** on peasants and zamindars.
- British economic policies damaged **traditional handicrafts and cottage industries.**
- Changes in traditional land and property relations created resentment.
- Economic exploitation contributed to widespread dissatisfaction.

4 SOCIAL AND RELIGIOUS CAUSES

- Fear of **British interference** in Indian social and religious customs.
- Activities of **Christian missionaries** generated religious apprehension among sections of society.
- Some social reforms were perceived by sections of Indians as religious interference.

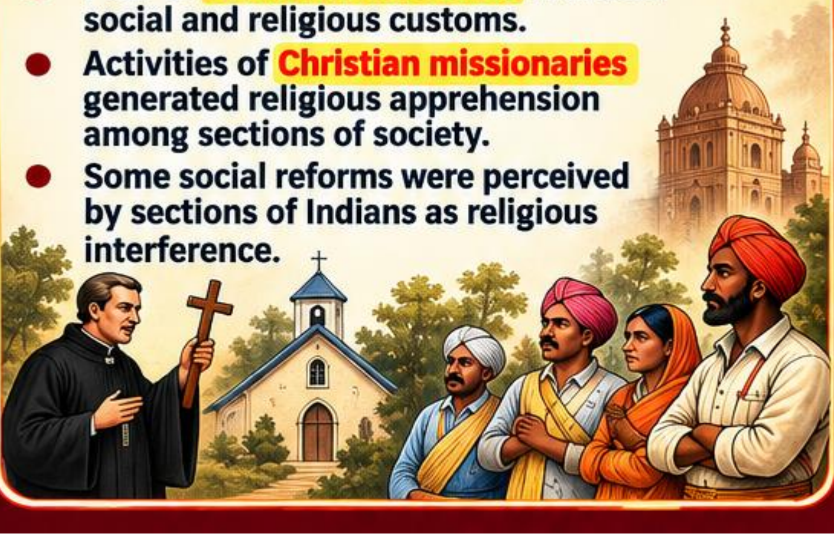

5 MILITARY CAUSES

- Discontent over **pay, promotion and service conditions.**
- Limited opportunities for Indians to attain higher military ranks.
- Religious and social concerns regarding **overseas service.**
- Perception of unequal treatment between Indian and European soldiers.

Adda247

Immediate Cause, Beginning and Major Centres

1 Immediate Cause – Enfield Cartridges

- The new Enfield rifle used **cartridges that had to be bitten open.**
- Soldiers believed that the cartridges were greased with **cow and pig fat.**
- This created religious concerns among both **Hindu and Muslim soldiers.**
- The cartridge controversy **became the immediate cause** of the revolt.

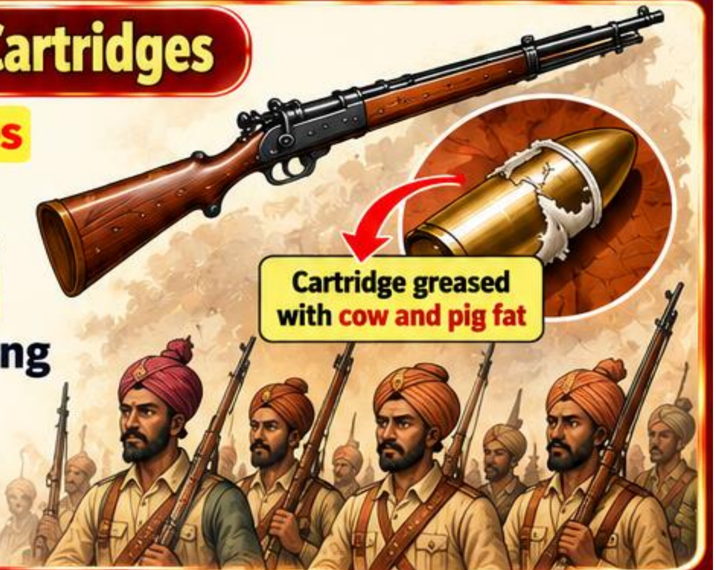

2 Early Events

Date	Event
29 March 1857	Mangal Pandey incident at Barrackpore
10 May 1857	Military revolt at Meerut
11 May 1857	Rebels reached Delhi
1857	Delhi became the major political centre
1857–58	Major fighting in Kanpur, Awadh, Jhansi, Bihar and Central India
1858	British forces recaptured major rebel centres

3 Major Centres and Leaders

Centre	Major Leader
Delhi	Bahadur Shah Zafar
Kanpur	Nana Sahib, Tatya Tope
Lucknow / Awadh	Begum Hazrat Mahal
Jhansi	Rani Lakshmibai
Jagdishpur, Bihar	Babu Kunwar Singh
Bareilly	Khan Bahadur Khan
Faizabad	Maulvi Ahmadullah Shah

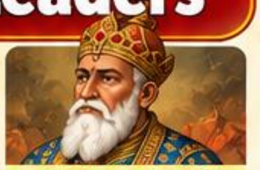
Bahadur Shah Zafar (Delhi)

Nana Sahib (Kanpur)

Rani Lakshmibai (Jhansi)

Begum Hazrat Mahal (Awadh)

Babu Kunwar Singh (Bihar)

Maulvi Ahmadullah Shah (Faizabad)

Important Pairs

- Delhi → Bahadur Shah Zafar
- Kanpur → Nana Sahib
- Jhansi → Rani Lakshmibai
- Awadh → Begum Hazrat Mahal
- Bihar → Kunwar Singh

Revolt of 1857 in Bihar

1 Major Areas

- **Shahabad** was a major region of the revolt in Bihar.
- **Jagdishpur** became the principal centre under **Babu Kunwar Singh.**
- **Arrah** was another important centre.

2 Babu Kunwar Singh

- A **prominent zamindar** of **Jagdishpur** and leading rebel figure in Bihar.
- Approximately **80 years old** during the revolt.
- His brother **Amar Singh** also played an important role.
- Fought the British in **Bihar** and **Azamgarh** region.
- An important victory at Jagdishpur on **23 April 1858.**
- Died on **26 April 1858.**

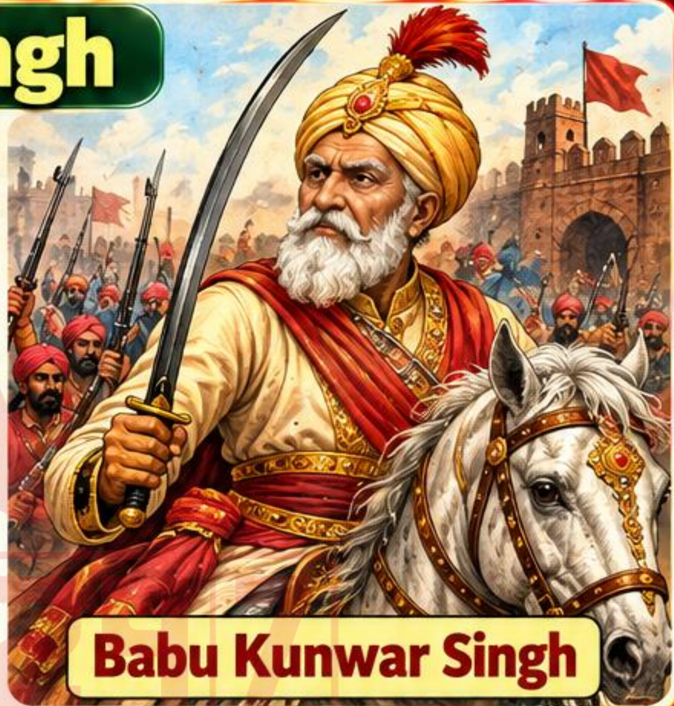

3 Other Important Bihar Personalities

Personality	Key Information
Kunwar Singh	Jagdishpur, Shahabad
Amar Singh	Brother of Kunwar Singh
Peer Ali Khan	Patna
Narayan Singh	Associated with the 1857 disturbances in Bihar.

Bihar Specific — Important Pairs

Kunwar Singh	Amar Singh	Peer Ali Khan	Shahabad	Arrah
↓	↓	↓	↓	↓
Jagdishpur	Brother of Kunwar Singh	Patna	Major Bihar region	Important rebel centre

Failure, Consequences and Historiography

1 Reasons for Failure

- The revolt **did not spread uniformly** across India.
- Absence of **unified central leadership.**
- Different leaders had **different regional objectives.**
- Shortage of **weapons and resources.**
- Several Indian rulers and groups **supported the British.**
- British forces had **superior military organisation** and communication.

2 Major Consequences

End of Company Rule

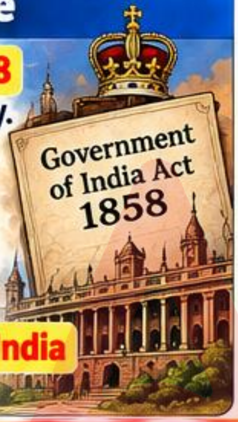

- The **Government of India Act, 1858** ended the rule of the East India Company.
- Administration was transferred **directly to the British Crown.**
- The **Governor-General** also became the **Viceroy.**
- The office of **Secretary of State for India** was established.

Queen Victoria's Proclamation, 1858

- Assured **non-interference** in Indian religious matters.
- Marked a change in British policy towards **Indian princely states.**
- Promised **equality before law** in dealing with subjects.

Queen Victoria (1858)

3 Changes in the Army

- The proportion of Indian and European troops was **reorganised.**
- British control over strategically important branches, especially **artillery,** was strengthened.
- Recruitment and military organisation were reshaped to **reduce the possibility of united military resistance.**

4 Historiography

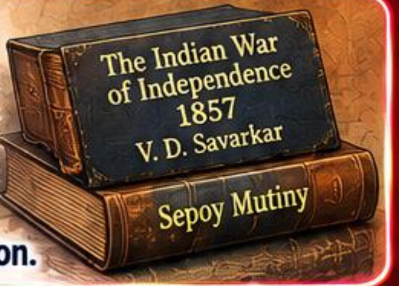

- **V. D. Savarkar** → **The Indian War of Independence, 1857.**
- British colonial writings commonly referred to it as the **Sepoy Mutiny.**
- Modern historical studies also examine the participation of **peasants, zamindars, rulers and other social groups,** with significant regional variation.

5 Important Points

Event / Place	Key Detail
Beginning	Meerut
Date	10 May 1857
Barrackpore	Mangal Pandey
Delhi	Bahadur Shah Zafar
Kanpur	Nana Sahib

Event / Place	Key Detail
Jhansi	Rani Lakshmibai
Awadh	Begum Hazrat Mahal
Bihar	Kunwar Singh
Jagdishpur	Kunwar Singh
End of Company Rule	Government of India Act, 1858

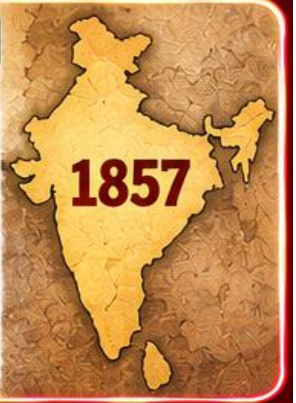

बिहार शिक्षक भर्ती
BPSC TRE 4.0
MAHA PACK
बिहार STET
B.Ed | D.El.Ed
बिहार शिक्षक भर्ती Maha Pack